of New Delhi is on an intermittent basis. It remains closed during 11.00 A.M. to 4 P.M. and 10 P.M. to 4.00 A.M. Ordinarily, there is no stoppage of drinking water except during the non-supply hours mentioned above. On the few occasions, which are rare, when there is a leakage or burst in a pipeline or an inter-connection is to be made with the new pipes laid in the locality, water supply has to be stopped but this is invariably done after due notice is given in the Press. Attempts are also made to carry out the repair work during non-supply hours. The N. D. M. C. have also stated that in case of service break-down which requires closure of supply in the affected areas for necessary repairs, the mobile water tankers are sent for immediate relief to the public.

नीमच में अफ़ीम का कारख़ाना

1924. श्री सरजू पाण्डे :
श्री इसहाक साम्भली :

क्या वित्त मंत्री 23 सितम्बर, 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2735 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि नीमच में अफीम के कारखाने के निर्माण में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : कारखाने तथा उसके उपकरणों की योजना तथा उनके नक्शे तैयार करने का काम चल रहा है ।

ब्रह्मपुत्र और गंगा नदियों को मिलाने के लिए सीमस्थ नहर

1925. श्री सरजू पाण्डेय:
श्री इसहाक साम्भली :

क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री 2 सितम्बर, 1965 के तारांकित प्रश्न संख्या 379 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों को मिलाने के लिये जो सीमस्थ नहर बनाई जाने वाली थी, उसके बारे में अब तक क्या प्रगति हुई है; और

(ख) उपरोक्त परियोजना कब तक कार्यान्वित हो जायेगी तथा इस पर कितना व्यय होगा ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) और (ख) पश्चिमी बंगाल में गजलदोबा के निकट तीस्ता नदी के ऊपर एक बराज बनाने की स्कीम तैयार की गई है जिसमें बराज के अतिरिक्त दायें किनारे पर एक नहर का निर्माण होगा जो फरक्का पर गंगा नदी में मिलेगी, और बायें किनारे पर एक नहर का निर्माण होगा जो कि असम में धुबरी पर ब्रह्मपुत्र नदी में मिलेगी । परियोजना की लागत अधिक होने के कारण कार्य को कई चरणों में करने का विचार है । अनुसंधान सम्बन्धी कुछ और काम पश्चिमी बंगाल सरकार को सौंप दिया गया है ।

जब उपरोक्त अनुसंधान कार्य पूरा हो जायेगा, लागत और कार्यान्विति के प्रश्न पर विचार किया जायेगा ।

परिवार नियोजन पर खर्च

1926. श्री सरजू पाण्डेय :
श्री इसहाक साम्भली :

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या इस बात का पता लगाने के लिये कोई अनुमान लगाया गया है कि सन्तति निग्रह की दो प्रणालियों में से——अर्थात् लूप लगाना तथा आपरेशन——कौन सी प्रणाली जनता में अधिक लोकप्रिय है; और

(ख) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला है ?